नायक्स ट्युटोरिअल्स

Way to Excellence

Year: 2024-25 | नमुना प्रश्नपत्रिका क्र – 1 | समय : ३ घंटे

कक्षा :- १० वी | हिंदी 1 | मुल्यांक : ८०

परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए - (गद्य)

1अ) A1) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 2

1) प्रधानमंत्री पद पर रहते श्री लालबहादुर को सरकार की तरफ से मिली गाड़ी । [ ]

2) लेखक के बाबूजी की निजी सचिव - [ ]

हमने अपने जीवन में बाबू जी के रहते अभाव नहीं देखा। उनके न रहने के बाद जो कुछ मुझपर बीता, वह एक दूसरी तरह का अभाव था कि मुझे बैंक की नौकरी करनी पड़ी । लेकिन उससे पूर्व बाबू जी के रहते मैं जब जन्मा था तब वे उत्तर प्रदेश में पुलिस मंत्री थे । उस समय गृहमंत्री को पुलिस मंत्री कहा जाता था । इसलिए मैं हमेशा कल्पना किया करता था कि हमारे पास ये छोटी गाड़ी नहीं, बड़ी आलीशान गाड़ी होनी चाहीए । बाबू जी प्रधानमंत्री हुए तो वहाँ जो गाड़ी थी वह थी, इंपाला शेवरलेट । उसे देख - देख बड़ा जी करता कि मौका मिले और उसे चलाऊँ । प्रधानमंत्री का लड़का था। कोई मामूली बात नहीं थी । सोचते - विचारते, कल्पना की उड़ान भरते एक दिन मौका मिल गया । धीरे-धीरे हिम्मत भी खुल गई थी ऑर्डर देने की । हमने बाबू जी के निजी सचिव से कहा- "सहाय साहब, जरा ड्राइवर से कहिए, इंपाला लेकर रेजिडेंस की तरफ आ जाएँ।"

दो मिनट में गाड़ी आकर दरवाजे पर लग गई । अनिल भैया ने कहा- "मैं तो इसे चलाऊँगा नहीं । तुम्हीं चलाओ।"

मैं आगे बढ़ा । ड्राइवर से चाभी माँगी। बोला - "तुम बैठो, आराम करो, हम लोग वापस आते हैं अभी।"

गाडी ले हम चल पड़े। क्या शान की सवारी थी। याद कर बदन में झुरझुरी आने लगी है। जिसके यहाँ खाना था, वहाँ पहुँचा । बातचीत में समय का ध्यान नहीं रहा। देर हो गई।

याद आया बाबू जी आ गए होंगे।

वापस घर आ फाटक से पहले ही गाड़ी रोक दी। उतरकर गेट तक आया। संतरी को हिदायत दी । यह सैलूट - वैलूट नहीं, बस धीरे से गेट खोल दो। वह आवाज करे तो उसे बंद मत करो, खुला छोड़ दो।

बाबू जी का डर । वह खट - पट सैलूट मारेगा तो आवाज होगी और फिर गेट की आवाज से बाबू जी को हम लोगों के लौटने का अंदाजा हो जाएगा। वे बेकार में पूछताछ करेंगे। अभी बात ताजा है। सुबह तक बात में पानी पड़ चुका होगा। संतरी से जैसा कहा गया, उसने किया। दबे पैर पीछे किचन के दरवाजे से अंदर घुसा। जाते ही अम्मा मिलीं।

पूछा - "बाबू जी आ गए? कुछ पूछा तो नहीं?"

बोली - "हाँ, आ गए। पूछा था। मैंने बता दिया।"

आगे कुछ कहने की हिम्मत नहीं पड़ी, यह जानने - सुनने की कि बाबू जी ने क्या कहा फिर हिदायत दी - सुबह किसी को कमरे में मत भेजिएगा। रात देर हो गई। सुबह देर तक सोना होगा।

A2) i) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 1

1) लेखक ने इंपाला गाड़ी यहाँ मंगाई - [ ]

2) गाड़ी चलाने से मना कर दिया - [ ]

ii) निम्न शब्दों के लिए प्रश्न तैयार कीजिए :- 1

प्रधानमंत्री

A3) i) निन्मलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए। 1

दरबान - ....

ii) परिच्छेद में प्रयुक्त दो विराम चिह्न के नाम लिखिए | 1

१) [?]

२) [" "]

A4) स्वमत :- 2

'आज के उपभोक्तावादी युग में दिखावे की संस्कृति पनप रही है' इस पर अपने विचार लिखिए।

(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ः-

A1) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 2

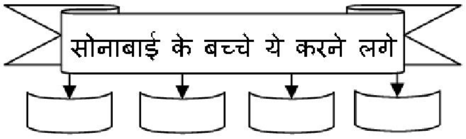

मुहल्लेवाले अपनी फुरसत से आते हैं । उस दिन जब सोनाबाई अपने चार बच्चों के साथ आई तो मुझे लगा कि आज फिर कोई दुर्घटना होगी । आते ही उन्होंने मेरी ओर इशारा करते हुए बच्चों से कहा- "ये देखो चाचा जी !" उनका अंदाज कुछ ऐसा था जैसे चिड़ियाघर दिखाते हुए बच्चों से कहा जाता है- "ये देखो बंदर ।"

बच्चे खेलने लगे । एक कुर्सी पर चढ़ा तो दूसरा टेबल पर । सोनाबाई की छोटी लड़की दवा की शीशी लेकर कथकली डांस करने लगी । रप-रप की आवाज ने मेरा ध्यान बँटाया । क्या देखता हूँ कि सोनाबाई का एक लड़का मेरी टाँग के साथ लटक रही रेती की थैली पर बॉक्सिंग की प्रैक्टिस कर रहा है । मैं इसके पहले कि उसे मना करता, सोनाबाई की लड़की ने दवा की शीशी पटक दी । सोनाबाई ने एक पल लड़की को घूरा, फिर हँसते हुए बोली- "भैया, पेड़े खिलाओ, दवा गिरना शुभ होता है । दवा गई समझो बीमारी गई ।" इसके दो घंटों बाद सोनाबाई गई, यह कहकर कि फिर आऊँगी । मैं भीतर तक काँप गया ।

कुछ लोग तो औपचारिकता निभाने की हद कर देते हैं, विशेषकर वे रिश्तेदार जो दूसरे गाँवों से मिलने आते हैं । ऐसे में एक दिन एक टैक्सी कमरे के सामने रुकी । उसमें से निकलकर एक आदमी आते ही मेरी छाती पर सिर रखकर औंधा पड़े रोने लगा और कहने लगा- "हाय, तुम्हें क्या हो गया ? कारवालों का सत्यानाश हो !" मैंने दिल में कहा कि मुझे जो हुआ सो हुआ, पर तू क्यों रोता है, तुझे क्या हुआ ? वह थोड़ी देर मेरी छाती में ह गड़ाए रोता रहा । फिर रोना कुछ कम हुआ । उसने मेरी छाती से गरदन हटाई और जब मुझसे आँख मिलाई, तो एकदम चुप हो गया । फिर धीरे-से हँसते हुए बोला- "माफ करना, मै गलत कमरे में आ गया था । आज कल लोग ठीक से बताते भी तो नहीं। गुप्ताजी का कमरा शायद बगल में है । हें-हें- हें ! अच्छा भाई, माफ करना ।" कहकर वह चला गया । अब वही रोने की आवाज मुझे पड़ोस के कमरे से सुनाई पड़ी । मुझे उस आदमी से अधिक गुस्सा अपनी पत्नी पर आया; क्योंकि इस प्रकार रोता देख पत्नीने उसे मेरा रिश्तेदार या करीबी मित्र समझकर टैक्सीवाले को पैसे दे दिए थे ।

A2) i) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 1

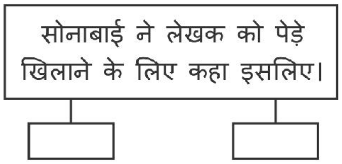

ii) एक-एक शब्द में उत्तर लिखिए। 1

दवा की शीशी किसने गिराई ?

A3) i) परिच्छेद में प्रयुक्त दो विराम चिह्न के नाम लिखिए | 1

i. । - ....

ii , - ....

ii) निन्मलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए। 1

i. आदमी - ....।

ii. मित्र - ....।

A4) स्वमत :- 2

बच्चों को खिलौना क्यों अति प्रिय होते हैं ?

(इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियॉ कीजिए :-

1 **A1)** i) पद्यांश में प्रयुक्त दो भाषाओं के नाम लिखिए | 1

१. .... २. ....

ii) उत्तर लिखिए :- 1

लखनऊ इसके लिए विश्वप्रसिद्ध है।

भारत के सर्वाधिक आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ है। लखनऊ उस क्षेत्र में स्थित है जिसे ऐतिहासिक रूप से अवध क्षेत्र के नाम से जाना जाता है। यह हमेशा से बहु सांस्कृतिक शहर रहा है। नजाकत और तहज़ीब वाली यह नगरी दशहरी आम के बाग, लज़ीज व्यंजन तथा चिकन की कढ़ाई के लिए विश्व प्रसिद्ध है। यह हिंदी और ऊर्दू साहित्य के केंद्रो में से एक है। ऐतिहासिक दृष्टि से भी लखनऊ को विशिष्ट स्थान प्राप्त है। इन नगरी में छोटा इमाम बाड़ा, बड़ा इमामबाड़ा रेजीडेंसी, शहीद स्मारक जैसे प्रमुख दर्शनीय स्थल है।

A2) स्वमत :- 2

'ताजमहल' के विषय में पाँच - छह वाक्य लिखिए।

विभाग २ - पदय : 12 अंक

Q.2 (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ः- **(6)**

1 **A1)** अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 2

1) तितली के टूटे पर यहाँ दिखना चाहिए - [ ]

2) स्वार्णिम शिखर से भी सुंदर - [ ]

3) कली से इसका निर्माण होता है | - [ ]

4) गर्द बनकर उड़ें तो - [ ]

आपसे किसने कहा स्वर्णिम शिखर बनकर दिखो,
शौक दिखने का है तो फिर नींव के अंदर दिखो ।

चल पड़ी तो गर्द बनकर आस्मानों पर लिखो,
और अगर बैठो कहीं तो मील का पत्थर दिखो ।

सिर्फ देखने के लिए दिखना कोई दिखना नहीं,
आदमी हो तुम अगर तो आदमी बनकर दिखो ।

जिंदगी की शक्ल जिसमें टूटकर बिखरे नहीं,
पत्थरों के शहर में वो आईना बनकर दिखो ।

आपको महसूस होगी तब हरइक दिल की जलन,
जब किसी धागे-सा जलकर मोम के भीतर दिखो ।

एक जुगनू ने कहा मैं भी तुम्हारे साथ हूँ,
वक्त की इस धुंध में तुम रोशनी बनकर दिखो ।

एक मर्यादा बनी है हम सभी के वास्ते,
गर तुम्हें बनना है मोती सीप के अंदर दिखो ।

डर जाए फूल बनने से कोई नाजुक कली,
तुम ना खिलते फूल पर तितली के टूटे पर दिखो ।

कोई ऐसी शक्ल तो मुझको दिखो इस भीड़ में,
मैं जिसे देखूँ उसी में तुम मुझे अक्सर दिखो ।

A2) उत्तर लिखिए :- 2

2) ये शब्द जिनके उत्तर हों वैसा प्रश्न तैयार कीजिए |
आसमान

A3) स्वमत :- 2

आदमी को आदमी बनकर देखने से क्या तात्पर्य है ?

Q.2 आ) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए -

1 **A1)** अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 2

1) अधिकारी को कवि से यह चाहिए - [ ]

2) चाँदी के विषय में कवि ने कहा - [ ]

मेरे घर छापा पड़ा, छोटा नहीं बहुत बड़ा
वे आए, घर में घुसे, और बोले-सोना कहाँ है ?
मैंने कहा-मेरी आँखों में है, कई रात से नहीं सोया हूँ
वे रोष में आकर बोले-स्वर्ण दो स्वर्ण!
मैंने जोश में आकर कहा-सुवर्ण मैंने अपने काव्य में बिखेरे हैं
उन्हें कैसे दे दूँ ।
वे झुँझलाकर बोले, तुम समझे नहीं
हमें तुम्हारा अनधिकृत रूप से अर्जित अर्थ चाहिए
मैं मुसकाकर बोला, अर्थ मेरी नई कविताओं में है
तुम्हें मिल जाए तो ढूँढ़ लो
वे कड़ककर बोले, चाँदी कहाँ है ?
मैं भड़ककर बोला-मेरे बालों में आ रही है धीरे-धीरे
वे उद्भ्रांत होकर बोले,
यह बताओ तुम्हारे नोट कहाँ हैं ?
परीक्षा से एक महीने पहले करूँगा तैयार
वे गरजकर बोले हमारा मतलब आपकी मुद्रा से है
मैं लरजकर बोला,
मुद्राएँ आप मेरे मुख पर देख लीजिए

A2) i) निम्न शब्दों के लिए प्रश्न तैयार कीजिए :- 1

मुद्रा

ii) उत्तर लिखिए :- 1

अधिकारी के नजर में मुद्रा का अर्थ है - ....

A3) भावार्थ लिखिए :- 2

वे झुँझलाकर बोले, तुम समझे नहीं
हमें तुम्हारा अनधिकृत रूप से अर्जित अर्थ चाहिए
मैं मुसकाकर बोला, अर्थ मेरी नई कविता ओं में है
तुम्हें मिल जाए तो ढूँढ़लो
वे कड़ककर बोले चाँदी कहाँ है ?
मैं भड़ककर बोला मेरे बालों में आ रही है धीरे-धीरे

विभाग ३ - पूरक पठन : 8 अंक **(4)**

Q.3 (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ः- **2**

A1) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :-

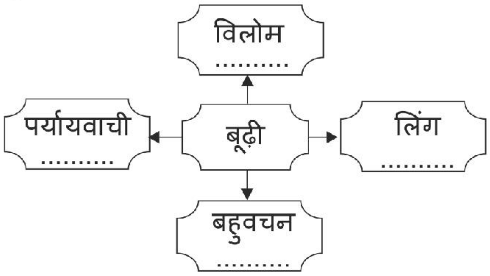

बूढ़ी काकी अपनी कोठरी में जाकर पश्चात्ताप कर रही थीं कि मैं कहाँ से कहाँ पहुँच गई। उन्हें रूपा पर क्रोध नहीं था। अपनी जल्दबाजी पर दुख था। सच ही तो है जब तक मेहमान लोग भोजन कर न चुकेंगे, घरवाले कैसे खाएँगे ! मुझसे इतनी देर भी न रहा गया। सबके सामने पानी उतर गया। अब, जब तक कोई बुलाने न आएगा, नहीं जाऊँगी।

मन-ही-मन इसी प्रकार का विचार कर वह बुलाने की प्रतीक्षा करने लगीं। उन्हें एक-एक पल, एक-एक युग के समान मालूम होता था। धीरे-धीरे एक गीत गुनगुनाने लगीं। उन्हें मालूम हुआ कि मुझे गाते देर हो गई। क्या इतनी देर तक लोग भोजन कर ही रहे होंगे। किसी की आवाज नहीं सुनाई देती। अवश्य ही लोग खा-पीकर चले गए। मुझे कोई बुलाने नहीं आया। रूपा चिढ़ गई है, क्या जाने न बुलाए। सोचती हो कि आप ही आएँगी, वह कोई मेहमान तो नहीं जो उन्हें बुलाऊँ। बूढ़ी काकी चलने के लिए तैयार हुई। यह विश्वास कि एक मिनट में पूड़ियाँ और मसालेदार तरकारियाँ सामने आएँगी, उनकी स्वादेंद्रियों को गुदगुदाने लगा। उन्होंने मन में तरह-तरह के मनसूबे बाँधे, पहले तरकारी से पूड़ियाँ खाऊँगी, फिर दही और शक्कर से, कचौड़ियाँ रायते के साथ मजेदार मालूम होंगी। चाहे कोई बुरा माने चाहे भला, मैं तो माँग-माँगकर खाऊँगी, लोग यही न कहेंगे कि इन्हें विचार नहीं ? कहा करें, इतने दिन के बाद पूड़ियाँ मिल रही हैं तो मुँह जूठा करके थोड़े ही उठ जाऊँगी !

मेहमान मंडली अभी बैठी हुई थी। कोई खाकर उँगलियाँ चाटता था, कोई तिरछे नेत्रों से देखता था कि और लोग अभी खा रहे हैं या नहीं। कोई इस चिंता में था कि पत्तल पर पूड़ियाँ छूटी जाती हैं, किसी तरह इन्हें भीतर रख लेता। कोई दही खाकर जीभ चटकारता था परंतु दूसरा दोना माँगते संकोच करता था कि इतने में बूढ़ी काकी रेंगती हुई उनके बीच में जा पहुँची। कई आदमी चौंककर उठ खड़े हुए। पुकारने लगे-"अरे यह बुढ़िया कौन है ? यहकहाँ से आ गई ? देखो किसी को छू न दे।"

A2) स्वमत :- 2

रुपा द्वारा अपमानित होने पर बूढ़ी काकी की मानसिक अवस्था का वर्णन कीजिए।

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ः:- **(4)**

1 **A1)** i) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 1

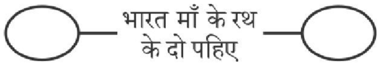

ii) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 1

1) झगड़े से उलझती है - [ ]

2) संतति का अर्थ है - [ ]

यों आप खफा क्यों होती हैं, टंटा काहे का आपस में।
हमसे तुम या तुमसे हम बढ़-चढ़कर क्या रक्खा इसमें।

झगड़े से न कुछ हासिल होगा, रख देंगे बातें उलझा के।
बस बात पते की इतनी है, ध्रुव या रजिया भारत माँ के।

भारत माता के रथ के हैं हम दोनों ही दो-दो पहिये, अजी दो पहिये, हाँ दो पहिये। **(14)**
हम उस धरती की संतति हैं ....

A2) स्वमत :- 2

'लड़का-लड़की एक समान' इस विषय पर अपने विचार लिखिए।

Q.4 सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

(1) अधोरेखांकित शब्द का भेद लिखिए :- **(1)**

उस <u>दिन</u> मनुष्य की पशुता लुप्त हो जाएगी।

(2) निम्नलिखित अव्यय शब्दों मे से किसी एक का अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए :- **(1)**

(i) बल्कि

(ii) अंततः

(3) तालिका पूर्ण कीजिए (कोई एक) :- **(1)**

संधि शब्द	संधि विच्छेद	संधि भेद
i)	देव + इन्द्र	....
ii)	राम + अवतार	....

(4) सहायक क्रियाएँ पहचानकर लिखिए (कोई एक) :- **(1)**

(i) मैं तुम्हें नही देख पाया |

(ii) वे मेरा मोल लगाते हैं|

(5) 'प्रथम' तथा 'द्‌वितीय' प्रेरणार्थक क्रियारूप लिखिए (कोई एक) :- **(1)**

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया	द्‌वितीय प्रेरणार्थक क्रिया
i) छोड़ना		....
ii) सीखाना	....	

(6) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए :- **(1)**

अकाल का मुकाबला करने के लिए सरकार <u>पूरी तरह तैयार हो गई</u>।
(हाथ आना, कमर कसना)

अथवा

निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए

1) प्रभाव पड़ना -

2) उँगली पकड़ना -

(7) वाक्य में प्रयुक्त कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए :- **(1)**

1) रेस्टॉरेंट से खाना पैक करवाकर लाए।

2) फिल्मी गाने प्यार से सुनते थे।

(8) वाक्य में यथास्थान विरामचिह्नों का प्रयोग कीजिए :- **(1)**

1) उसमे संयम है दूसरे के दुख सुख के प्रति समवेदना है श्रद्धा है तप है त्याग है

2) भुट्टेवाला आया और बोला साहब भुट्टा लोगे

(9) सूचना के अनुसार काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए (कोई दो) :- **(2)**

(i) आप इतनी देर से नाप – तौल करते हैं | (अपूर्ण वर्तमान काल)

(ii) वह मेज पर दूध रखती है। (पूर्ण भूतकाल)

(iii) क्रोध से उसके नेत्र लाल हो गए। (पूर्ण वर्तमानकाल)

(10) (i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के अनुसार भेद लिखिए :- **(1)**

शहर में ढूँढ रहा हूँ |
वह आया परंतु कुछ कह नही पाया

(ii) सूचना के अनुसार परिवर्तन कीजिए :- **(1)**

तुम्हें अपने शिक्षक की बात माननी चाहिए | (आज्ञार्थक वाक्य)

उसने और वस्तुओं की माँग की (प्रश्नार्थक वाक्य)

(11) वाक्य शुद्ध करके फिर से लिखिए :- **(2)**

(i) सैनिकों के एक दल विश्राम कर रहे है।

(ii) चंद्रमा भी उदय हो गई थी।

iii) मुझे एक फूल माला दो।

विभाग ५ - उपयोजित लेखन : 26 अंक

Q.5 (अ) (1) पत्र लेखन - **(5)**

निम्नलिखित जानकारी पर आधारित पत्रलेखन कीजिए : -

अमित / अमिता पाटील, तेजस सोसाइटी, आंबेडकर रोड, अमरावती से अपनी सोसाइटी के अध्यक्ष को पत्र लिखकर गाड़ियाॅ धोने के लिए टंकी के जिस जल का उपयोग किया जा रहा है, उस जल का पुन:उपयोग करने हेतु निवेदन करता / करती है ।

OR

शैलेंद्र / शैलेजा गिरकर, 12, मधुर कॉलनी, वर्धा से अपने मित्र / सहेली सुरेश / सुधा जोशी 4 / 38 केशव नगर, सहना को उसके जन्मदिन के कार्यक्रम में शामिल न होने का कारण बताते हुए पत्र लिखता/ लिखती है ।

(2) गदय आकलन - **(4)**

निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर एक-एक वाक्य में उत्तरवाले चार ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर परिच्छेद में हों :-

वार्तालाप की शिष्टता मनुष्य को आदर का भाजन बनाती है और उसकी सफलता के लिए साफ कर देती है। मनुष्य का समाज पर जो प्रभाव पडता है, वह बहुत अंश में उसकी पोशाक और चाल-ढाल पर निर्भर रहता है, किंतु विषभरे कनकघटों की संसार में कमी नहीं है। वह प्रभाव ऊपरी होता है और पोषक का मान जब तक भाषण से पुष्ट हीं होता है, तब तक स्थायी नहीं होता। मधुर भाषी के लिए करनी और कथनी का साम्य आवश्यक है, किंतु कर्म के लिए वचन पहली सीढी है। मधुर वचन ही विश्वास उत्पन्न कर भय और आंतक का परिमार्जन कर देते है। कटु भाषी लोगों से लोग हृदय खोलकर बात करने से डरते हैं। सामाजिक व्यवहार के लिए विचारों का आदान-प्रदान आवश्यक है, और वह भाषा की विशिष्टता के बिना प्राप्त नहीं होता। भाषा की सार्थकता इसी में है, कि वह दूसरों पर यथेष्ट अपना डाल सके। जब बुरे वचन आदमी को रुष्ट कर सकते है, तो मधुर वचन दूसरे को प्रसन्न भी कर सकते है। शब्दों का जादू बडा जबर्दस्त होता है।

(आ) (1) वृत्तांत लेखन - **(5)**

अपने विद्यालय में मनाए गए 'वार्षिक क्रीडा महोत्सव' का वृत्तांत लिखिए।
(वृत्तांत में स्थल, काल, घटना का उल्लेख करना अनिवार्य है।)

अथवा

कहानी लेखन - **(5)**

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 70 से 80 शब्दों में कहानी लिखए, और उचित शीर्षक दीजिए :-

कहानी लिखिए तथा उचित शीर्षक दीजिएः
भिखारी - भीख माँगना - एक व्यक्ति का रोज देखना - फूलों का गुच्छा देना - भिखारी का फूल बेचना - मंदिर के सामने दुकान खोलना।

(2) विज्ञापन लेखन - **(5)**

आदर्श विज्ञापन तैयार कीजिए।

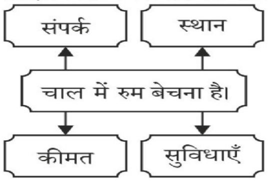

(इ) निबंध लेखन - **(7)**

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 80 से 100 शब्दों में निबंध लिखिए :-

(1) 'हिंदी भाषा का महत्व'

(2) दहेज प्रथा – एक अभिशाप

(3) मेरा भारत महान